

पाठ :- अहमदनगर का किला

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: जवाहर लाल नेहरू का परिचय पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्ट संख्या-1अ/1 विषय वस्तु- * अहमदनगर का किला उपविषय वस्तु :- अ) स्व जागरूकता आ) आत्मिक क्षमता इ) सृजनात्मक एवं अनुभवात्मक लेखन पाठ्येतर विषय वस्तु * काव्य - लेखन * तालिका निर्माण	विद्यार्थी :- अ) आत्मविश्लेषण कर अपने स्वत्व के प्रति जागरूक हो सकेंगे आ) तनाव को दूर करने व उससे मुक्ति पाने में सक्षम हो सकेंगे । इ) पदय रचना अर्थात् काव्य-लेखन के उचित तरीकों से अवगत हो काव्य-लेखन कर सकेंगे तथा अपने अनुभव बता सकेंगी ।	विद्यार्थी :- अ) आत्मविश्लेषण कर अपनी कमजोरियों एवं विशेषताओं की तालिका बना सकेंगे । आ) तनाव से मुक्ति हेतु सुझाव देते हुए काव्य लेखन कर सकेंगे । इ)1. 'किले कहते उनकी कहानी,अपनी जुबानी । याद दिलाते उनकी कुर्बानी,अपनी जुबानी ।।' कविता लिखकर आत्मविश्वास के साथ कक्षा में सबके के समक्ष अपनी कविता को प्रस्तुत कर सकेंगे। इ)2. गतिविधि से पूर्व, गतिविधि करते हुए तथा गतिविधि से जो सीखा उसे लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबंधित प्रश्न ।

क्रियाविधि:- 'किले कहते उनकी कहानी,अपनी जुबानी । याद दिलाते उनकी कुर्बानी, अपनी जुबानी ।।' विषय पर आधारित काव्य-लेखन कर प्रस्तुत करने से संबंधित ।

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्ट संख्या :-13अ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या :-13अ/2 अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे । क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्ट संख्या :-13अ /3 अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्ट संख्या :-13अ /4	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्ट संख्या :-13आ/1 काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्ट संख्या :-13आ/2 उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । पाठ के अंत में दिए प्रश्नों के उत्तर देंगे । अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्ट संख्या :-13आ/3 अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्ट संख्या :-13आ/4	* पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि विद्यालय अन्तःविषय संबंध :- ऐतिहासिक ज्ञान , सामाजिक ज्ञान, भाषा ज्ञान, आत्मिक ज्ञान,मनोविज्ञान ।
परिसर :- विद्यालय के विद्यार्थियों को तनाव मुक्त करने के लिए कविता लिख सकेंगे ।

1.पूर्व ज्ञान से संबंधित प्रश्न -परिशिष्ट संख्या -1अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न.1- हमारे देश के पहले प्रधानमंत्री कौन थे ?

जवाहरलाल नेहरू ।

प्रश्न.2- जवाहरलाल नेहरू को बच्चे किस नाम से पुकारते हैं ?

चाचा नेहरू ।

प्रश्न.3- आपने अपनी किसी पूर्व कक्षा में कोई रचना पढ़ी है ?

जी हाँ ।

प्रश्न.4- उसका नाम बताए ?

संसार एक पुस्तक ।

कथन:- आज़ादी प्राप्ति के लिए आंदोलनों के चलते नेहरू जी को कई बार जेल जाना पड़ा । उन्होंने तब लिखना प्रारंभ किया और अपनी दृष्टि से एक भारत की खोज करना प्रारंभ किया । पाठ पढ़कर जानते हैं कि किस प्रकार अतीत भविष्य की नींव बनता है ।

2.कठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्ट संख्या -1अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक ए-4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदला-बदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर छात्रों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।

(यथासंभव इस गतिविधि में परिवर्तन लाये जाएंगे यथा कभी विद्यार्थी चिट पर भी कठिन शब्दार्थ लिख सकते हैं या कभी अध्यापिका स्वयं चिट पर कठिन शब्द लिख कर अर्थ लिखने को कह सकती है ।)

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्ट संख्या -1अ/3

- कक्षा के सभी विद्यार्थियों को पाठ से संबंधित किसी एक विषय पर पद्य तैयार करने के लिए कहा जाएगा । विद्यार्थियों को दिशा देने के लिए अध्यापिका उन्हें काव्य की एक पंक्ति दे कर उसे आगे बढ़ाने के लिए भी कह सकती हैं ।

किले कहते उनकी कहानी, अपनी जुबानी । याद दिलाते उनकी कुर्बानी, अपनी जुबानी ॥

- कविता तैयार करने के लिए निर्देश:-
1.चार-चार पंक्तियों का एक पद और तीन से चार पद की कविता होनी चाहिए ।
2. भाषा सरल, सहज आकर्षक हो।
3. एक उपयुक्त शीर्षक भी हो ।
4.कविता को गाकर या काव्यपाठ के रूप में प्रस्तुत किया जाए ।
- अध्यापिका बारी-बारी से आकर विद्यार्थियों को पद्य प्रस्तुत करने को कहेंगी ।
- अध्यापिका बारी-बारी से विद्यार्थियों से उनकी कविता सुनेंगी ।
- इस दौरान अन्य विद्यार्थियों को अपने सुझाव (यदि हो तो) को लिखने के लिए कहा जाएगा ताकि प्रस्तुति हो जाने के बाद उस पद्य में यदि सुधार की आवश्यकता लगे तो सुधार किया जा सके ।
- विद्यार्थी लिखित कविताओं का संकलन कर अध्यापिका को देंगे ।

मूल्यांकन के मानदण्ड :-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

4.अभ्यास हेतु कार्यपत्र दिया जाएगा :- परिशिष्ट संख्या -1अ/4

कार्यपत्र

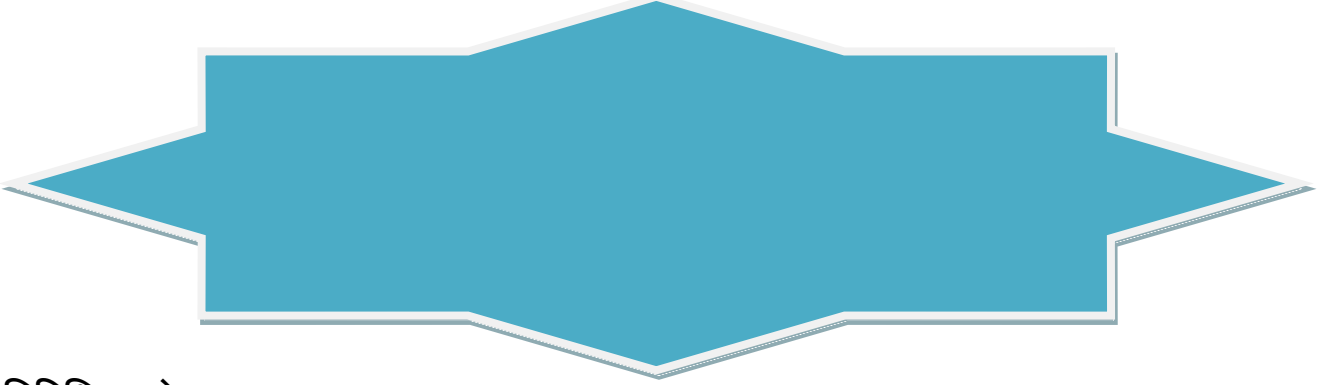
पाठ : अहमदनगर का किला

विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : पद्य रचना

अनुक्रमांक :

गतिविधि से पूर्व लेखन और वाचन कौशल का संपूर्ण ज्ञान :



गतिविधि करते हुए अनुभव :

गतिविधि से सीखा :

कविता का मूल भाव

